|  |
| --- |
| 19. Juni 2022 |
| **12. Sonntag im Jahreskreis C** |
| Erste Lesung: Sach 12,10-11; 13,1; Zweite Lesung: Gal 3,26-29; Evangelium: Lk 9,18-24 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 786, 1+3 | Zieh an die Macht |
|  | GL 361, 1-3 | Mein schönste Zier |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 153 | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 171 | Preis und Ehre |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 63,2-6.8-9 |  |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 42, 1 | Nach Gott, dem Lebendigen |
|  | GL 420 | Meine Seele dürstet nach dir |
|  | GL 616, 1 | Gott, du mein Gott |
|  | oder |  |
|  | GL 446, 1-4 | Lass uns in deinem Namen |
|  |  |
|  | Wenn nur die 2. Lesung genommen wird: |
|  | GL 488, 1-3 | Die ihr auf Christus getauft seid |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |
|  | *Meine Schafe hören auf meine Stimme;* |
|  | *Ich kenne sie, und sie folgen mir.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 793 | Dich, o Gott |
|  | GL 765, 1+2! | Heilger Geist |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 460 | Wer leben will |
|  | GL 461, 1+3+4 | Mir nach |
|  | GL 790, 1+3+5 | O mein Christ |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 129 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 213 | Du hast für uns dein Leben |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 275, 1!+2+4 | Selig, wem Christus |
|  | Alternativmelodie: | GL 484 |
|  | GL 297, 1+3!+4! | Wir danken dir, Herr Jesu Christ |
|  | GL 215, 1+2 | Gott sei gelobet |
|  | GL 366, 1-3 | Jesus Christus, guter Hirte |
|  | GL 764, 3!-5 | Dein Geist macht uns das Kreuze wert |
| Schluss: | GL 465, 1-4 | Das Jahr steht auf der Höhe |
|  | (am 23. Juni Sommersonnenwende) |